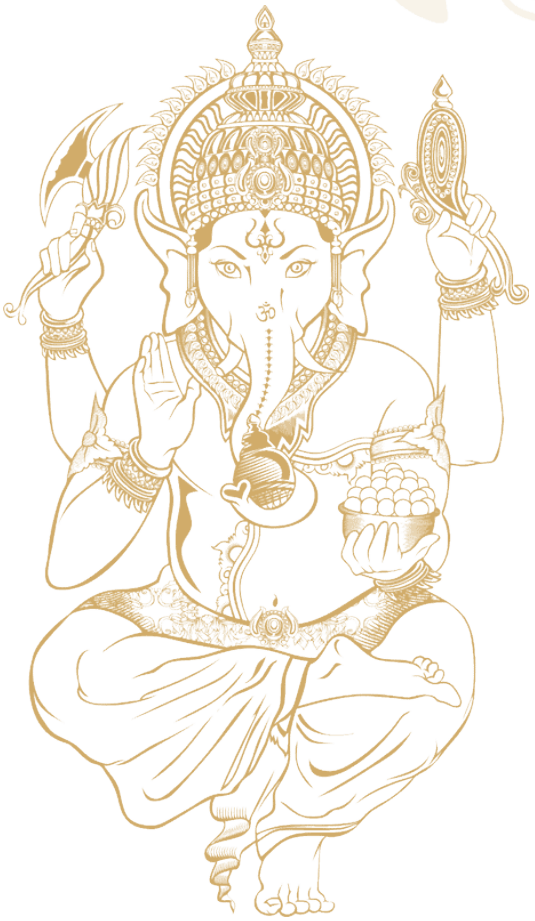

rajesh Bahuguna

01 Oct 1972

10:44 AM

Meerut

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121399601

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
01/10/1972	जन्म तिथि	**02/10/2026**
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:44:00	जन्म समय	06:46:00 घंटे
घटी 11:19:14	जन्म समय(घटी)	01:22:58 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Meerut
उत्तर 29:00:00	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
पूर्व 77:42:00	रेखांश	77:42:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:18	सूर्योदय	06:12:48
18:05:02	सूर्यास्त	18:03:57
23:28:51	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:59

वृश्चिक	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कर्क	राशि	वृष
चन्द्र	राशि-स्वामी	शुक्र
पुनर्वसु	नक्षत्र	मृगशिरा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	1
शिव	योग	व्यतिपात
गर	करण	वणिज
ही-हीरा	जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
मार्जार	योनि	सर्प
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मृग
54	गत/तत्कालिक वर्ष	55

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अनुराधा	3	12:12:31	वृश्चि			लग्न			कन्या	21:06:02	4	हस्त
हस्त	2	14:38:27	कन्या			सूर्य			कन्या	14:38:27	2	हस्त
पुनर्वसु	4	02:30:55	कर्क			चंद्र			वृष	24:42:34	1	मृगशिरा
उ०फाल्गुनी	4	06:40:35	कन्या		अ	मंगल			कर्क	08:04:04	2	पुष्य
हस्त	4	23:19:04	कन्या		अ	बुध			तुला	07:49:46	1	स्वाति
मूल	3	07:04:10	धनु			गुरु			कर्क	25:32:46	3	आश्लेषा
मघा	1	01:48:34	सिंह			शुक्र			तुला	14:13:41	3	स्वाति
मृगशिरा	2	27:06:56	वृष			शनि	व		मीन	17:15:46	1	रेवती
उत्तराषाढ़ा	1	29:34:45	धनु	व		राहु	व		कुंभ	04:51:42	4	धनिष्ठा
पुनर्वसु	3	29:34:45	मिथु	व		केतु	व		सिंह	04:51:42	2	मघा
चित्रा	1	24:32:58	कन्या			मु			वृष	12:12:31	1	रोहिणी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:59

लग्न-चलित

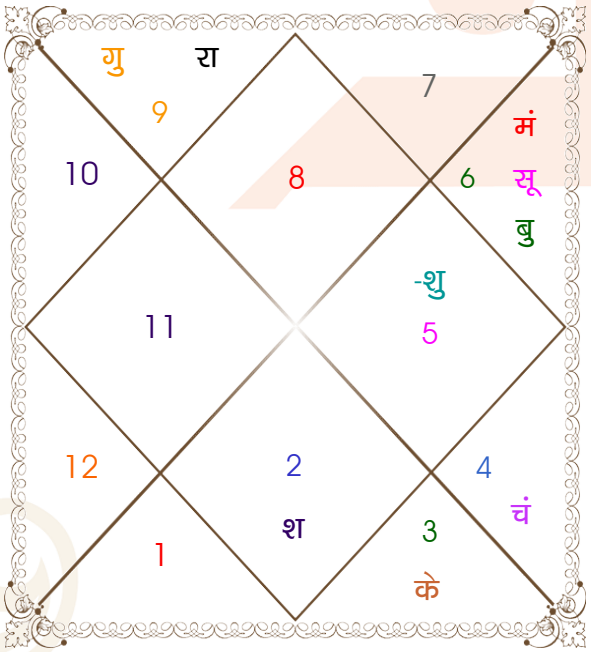

वर्ष लग्न कुंडली

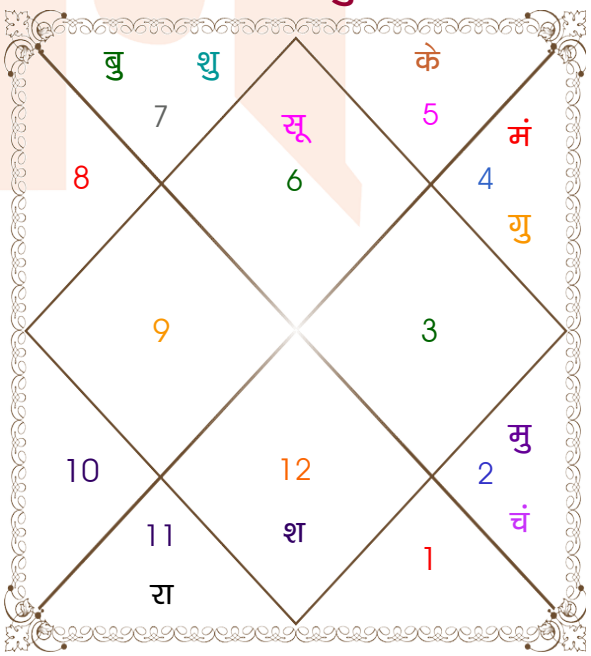

चन्द्र कुंडली

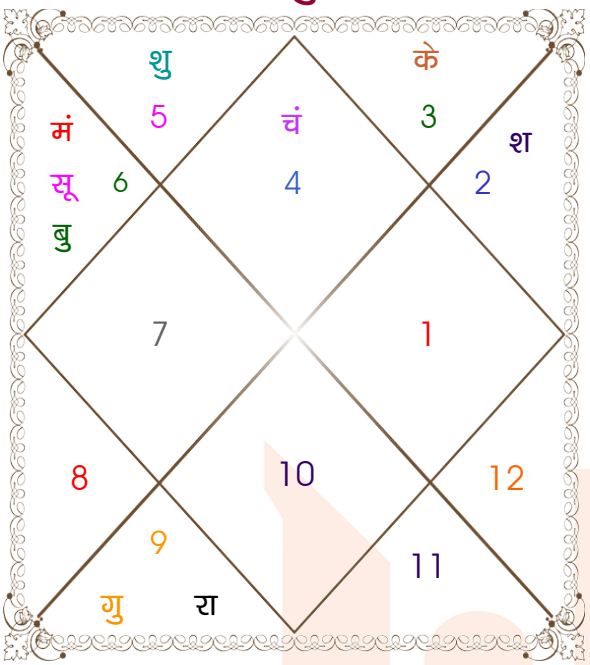

वर्ष चन्द्र कुंडली

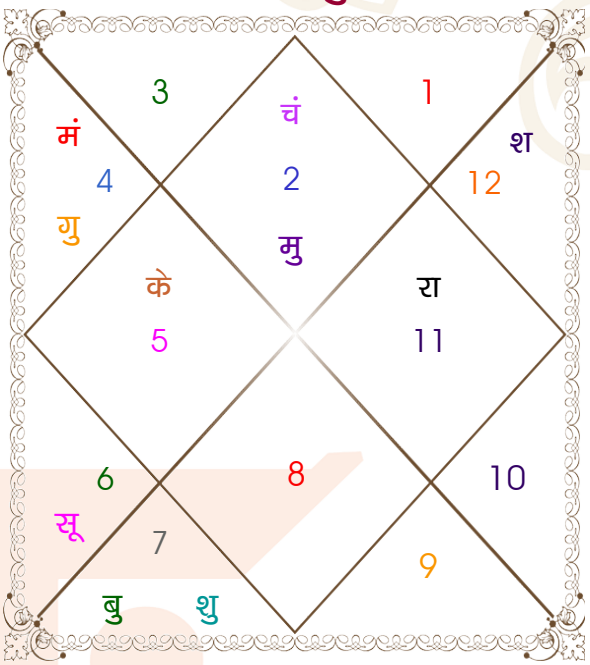

नवमांश कुंडली

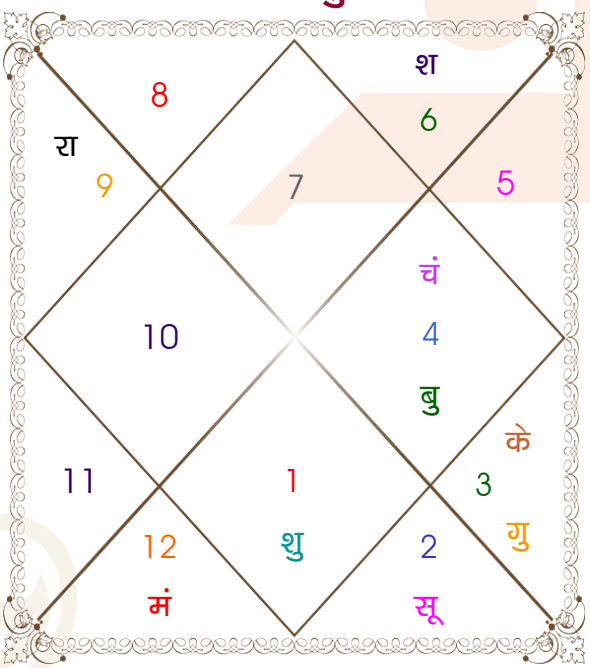

वर्ष नवमांश कुंडली

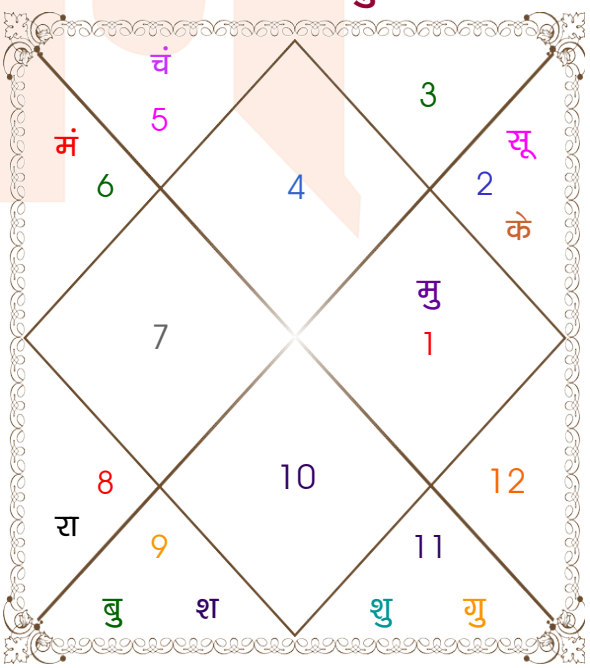

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	शत्रु
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	सम	मित्र	सम	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
बुध	सम	सम	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	सम
गुरु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	सम
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कन्या	कन्या	वृष	कर्क	तुला	कर्क	तुला	मीन
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	कन्या	वृष	मक	वृष	कर्क	कर्क	कुंभ	मीन
चतुर्थांश	मीन	धनु	कुंभ	तुला	मक	मेष	मक	कन्या
पंचमांश	मक	मीन	वृश्चि	कन्या	कुंभ	वृश्चि	धनु	मीन
षष्ठांश	कुंभ	धनु	कुंभ	वृश्चि	वृष	मीन	मिथु	मक
सप्तमांश	कर्क	मिथु	मेष	कुंभ	वृश्चि	मिथु	मक	मक
अष्टमांश	तुला	सिंह	कुंभ	मिथु	मिथु	तुला	कर्क	कन्या
नवमांश	कर्क	वृष	सिंह	कन्या	धनु	कुंभ	कुंभ	धनु
दशमांश	धनु	कन्या	कन्या	वृष	धनु	वृश्चि	कुंभ	मेष
एकादशांश	मीन	मक	मक	सिंह	वृश्चि	मीन	कुंभ	सिंह
द्वादशांश	वृष	कुंभ	कुंभ	तुला	मक	वृष	मीन	कन्या

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र
होरा	मित्र	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	शत्रु
द्रेष्काण	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	सम	मित्र
चतुर्थांश	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	सम	सम
पंचमांश	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
षष्ठांश	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व
सप्तमांश	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	स्व
अष्टमांश	स्व	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	सम	सम
नवमांश	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र
दशमांश	सम	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र
एकादशांश	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व	सम	शत्रु
द्वादशांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम
शुभ	5	10	5	1	6	1	7
सम	5	2	0	5	0	8	3
अशुभ	2	0	7	6	6	3	2
कुल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	सम	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	5	0	0	5	5	0
तृतीय बल	0	5	5	5	5	5	5
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	5	10	10	5	20	10	5
बल	क्षीण	सामान्य	सामान्य	क्षीण	अतिबली	सामान्य	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	15.00	22.50	7.50	22.50	30.00	22.50
उच्च बल	2.82	17.59	2.21	17.46	17.72	1.91	3.64
हददा बल	11.25	11.25	3.75	15.00	11.25	3.75	11.25
द्रेष्काण	5.00	7.50	2.50	5.00	7.50	5.00	7.50
नवमांश	2.50	3.75	1.25	1.25	3.75	2.50	3.75
कुल	36.57	55.09	32.21	46.21	62.72	43.16	48.64
विंशोपक	9.14	13.77	8.05	11.55	15.68	10.79	12.16
बल	सामान्य	शुभ	सामान्य	शुभ	बली	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	मंगल	8.05	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	11.55	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	शुक्र	10.79	दृष्टि नहीं	चन्द्र
दिवापति	बुध	11.55	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	चंद्र	13.77	अतिशुभ	

पात्यंश दशा

बुध		मंगल		शुक्र		सूर्य		शनि	
02/10/2026		22/01/2027		25/01/2027		23/04/2027		29/04/2027	
22/01/2027		25/01/2027		23/04/2027		29/04/2027		06/06/2027	
बुध	05/11/2026	मंगल	22/01/2027	शुक्र	15/02/2027	सूर्य	23/04/2027	शनि	03/05/2027
मंगल	06/11/2026	शुक्र	23/01/2027	सूर्य	17/02/2027	शनि	24/04/2027	लग्न	09/05/2027
शुक्र	03/12/2026	सूर्य	23/01/2027	शनि	26/02/2027	लग्न	25/04/2027	चंद्र	14/05/2027
सूर्य	05/12/2026	शनि	23/01/2027	लग्न	11/03/2027	चंद्र	26/04/2027	गुरु	15/05/2027
शनि	16/12/2026	लग्न	23/01/2027	चंद्र	24/03/2027	गुरु	26/04/2027	बुध	27/05/2027
लग्न	02/01/2027	चंद्र	24/01/2027	गुरु	26/03/2027	बुध	28/04/2027	मंगल	27/05/2027
चंद्र	18/01/2027	गुरु	24/01/2027	बुध	22/04/2027	मंगल	28/04/2027	शुक्र	05/06/2027
गुरु	22/01/2027	बुध	25/01/2027	मंगल	23/04/2027	शुक्र	29/04/2027	सूर्य	06/06/2027

लग्न		चंद्र		गुरु		गुरु		गुरु	
06/06/2027		30/07/2027		20/09/2027		20/09/2027		20/09/2027	
30/07/2027		20/09/2027		02/10/2027		02/10/2027		02/10/2027	
लग्न	14/06/2027	चंद्र	07/08/2027	गुरु	20/09/2027	गुरु	20/09/2027	गुरु	20/09/2027
चंद्र	22/06/2027	गुरु	08/08/2027	बुध	24/09/2027	बुध	24/09/2027	बुध	24/09/2027
गुरु	23/06/2027	बुध	24/08/2027	मंगल	24/09/2027	मंगल	24/09/2027	मंगल	24/09/2027
बुध	10/07/2027	मंगल	25/08/2027	शुक्र	27/09/2027	शुक्र	27/09/2027	शुक्र	27/09/2027
मंगल	11/07/2027	शुक्र	06/09/2027	सूर्य	27/09/2027	सूर्य	27/09/2027	सूर्य	27/09/2027
शुक्र	24/07/2027	सूर्य	07/09/2027	शनि	29/09/2027	शनि	29/09/2027	शनि	29/09/2027
सूर्य	25/07/2027	शनि	12/09/2027	लग्न	30/09/2027	लग्न	30/09/2027	लग्न	30/09/2027
शनि	30/07/2027	लग्न	20/09/2027	चंद्र	02/10/2027	चंद्र	02/10/2027	चंद्र	02/10/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

गुरु		शनि		बुध		केतु		शुक्र	
02/10/2026		19/11/2026		16/01/2027		09/03/2027		30/03/2027	
19/11/2026		16/01/2027		09/03/2027		30/03/2027		30/05/2027	
गुरु	08/10/2026	शनि	29/11/2026	बुध	24/01/2027	केतु	10/03/2027	शुक्र	10/04/2027
शनि	16/10/2026	बुध	07/12/2026	केतु	27/01/2027	शुक्र	14/03/2027	सूर्य	13/04/2027
बुध	23/10/2026	केतु	10/12/2026	शुक्र	04/02/2027	सूर्य	15/03/2027	चंद्र	18/04/2027
केतु	26/10/2026	शुक्र	20/12/2026	सूर्य	07/02/2027	चंद्र	17/03/2027	मंगल	21/04/2027
शुक्र	03/11/2026	सूर्य	23/12/2026	चंद्र	11/02/2027	मंगल	18/03/2027	राहु	30/04/2027
सूर्य	05/11/2026	चंद्र	28/12/2026	मंगल	14/02/2027	राहु	21/03/2027	गुरु	08/05/2027
चंद्र	09/11/2026	मंगल	31/12/2026	राहु	22/02/2027	गुरु	24/03/2027	शनि	18/05/2027
मंगल	12/11/2026	राहु	09/01/2027	गुरु	01/03/2027	शनि	27/03/2027	बुध	27/05/2027
राहु	19/11/2026	गुरु	16/01/2027	शनि	09/03/2027	बुध	30/03/2027	केतु	30/05/2027

सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु		राहु	
30/05/2027		18/06/2027		18/07/2027		08/08/2027		08/08/2027	
18/06/2027		18/07/2027		08/08/2027		02/10/2027		02/10/2027	
सूर्य	31/05/2027	चंद्र	20/06/2027	मंगल	19/07/2027	राहु	16/08/2027	राहु	16/08/2027
चंद्र	02/06/2027	मंगल	22/06/2027	राहु	22/07/2027	गुरु	24/08/2027	गुरु	24/08/2027
मंगल	03/06/2027	राहु	26/06/2027	गुरु	25/07/2027	शनि	01/09/2027	शनि	01/09/2027
राहु	05/06/2027	गुरु	30/06/2027	शनि	29/07/2027	बुध	09/09/2027	बुध	09/09/2027
गुरु	08/06/2027	शनि	05/07/2027	बुध	01/08/2027	केतु	12/09/2027	केतु	12/09/2027
शनि	11/06/2027	बुध	10/07/2027	केतु	02/08/2027	शुक्र	22/09/2027	शुक्र	22/09/2027
बुध	13/06/2027	केतु	11/07/2027	शुक्र	05/08/2027	सूर्य	24/09/2027	सूर्य	24/09/2027
केतु	14/06/2027	शुक्र	16/07/2027	सूर्य	06/08/2027	चंद्र	29/09/2027	चंद्र	29/09/2027
शुक्र	18/06/2027	सूर्य	18/07/2027	चंद्र	08/08/2027	मंगल	02/10/2027	मंगल	02/10/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - राहु - शुक्र		शुक्र - राहु - सूर्य		शुक्र - राहु - चंद्र		शुक्र - राहु - मंगल	
28/10/2025 13:00		29/04/2026 04:00		22/06/2026 22:54		22/09/2026 06:24	
29/04/2026 04:00		22/06/2026 22:54		22/09/2026 06:24		25/11/2026 04:27	
शुक्र	27/11/2025 23:30	सूर्य	01/05/2026 21:44	चंद्र	30/06/2026 13:31	मंगल	25/09/2026 23:53
सूर्य	07/12/2025 02:39	चंद्र	06/05/2026 11:19	मंगल	05/07/2026 21:22	राहु	05/10/2026 13:59
चंद्र	22/12/2025 07:54	मंगल	09/05/2026 16:01	राहु	19/07/2026 14:05	गुरु	14/10/2026 02:32
मंगल	01/01/2026 23:34	राहु	17/05/2026 21:15	गुरु	31/07/2026 18:17	शनि	24/10/2026 05:25
राहु	29/01/2026 09:01	गुरु	25/05/2026 04:34	शनि	15/08/2026 05:16	बुध	02/11/2026 06:45
गुरु	22/02/2026 17:25	शनि	02/06/2026 20:46	बुध	28/08/2026 03:44	केतु	06/11/2026 00:14
शनि	23/03/2026 15:24	बुध	10/06/2026 15:03	केतु	02/09/2026 11:34	शुक्र	16/11/2026 15:54
बुध	18/04/2026 12:19	केतु	13/06/2026 19:45	शुक्र	17/09/2026 16:49	सूर्य	19/11/2026 20:37
केतु	29/04/2026 04:00	शुक्र	22/06/2026 22:54	सूर्य	22/09/2026 06:24	चंद्र	25/11/2026 04:27

शुक्र - गुरु - गुरु		शुक्र - गुरु - शनि		शुक्र - गुरु - बुध		शुक्र - गुरु - केतु	
25/11/2026 04:27		04/04/2027 01:15		05/09/2027 06:27		21/01/2028 06:03	
04/04/2027 01:15		05/09/2027 06:27		21/01/2028 06:03		18/03/2028 01:39	
गुरु	12/12/2026 12:01	शनि	28/04/2027 11:16	बुध	24/09/2027 19:35	केतु	24/01/2028 13:35
शनि	02/01/2027 01:31	बुध	20/05/2027 07:36	केतु	02/10/2027 20:46	शुक्र	03/02/2028 00:51
बुध	20/01/2027 11:04	केतु	29/05/2027 07:31	शुक्र	25/10/2027 20:42	सूर्य	05/02/2028 21:02
केतु	28/01/2027 00:52	शुक्र	24/06/2027 00:23	सूर्य	01/11/2027 18:17	चंद्र	10/02/2028 14:40
शुक्र	18/02/2027 16:20	सूर्य	01/07/2027 17:26	चंद्र	13/11/2027 06:15	मंगल	13/02/2028 22:13
सूर्य	25/02/2027 04:11	चंद्र	14/07/2027 13:52	मंगल	21/11/2027 07:25	राहु	22/02/2028 10:45
चंद्र	07/03/2027 23:55	मंगल	23/07/2027 13:46	राहु	12/12/2027 00:10	गुरु	01/03/2028 00:34
मंगल	15/03/2027 13:44	राहु	15/08/2027 16:57	गुरु	30/12/2027 09:43	शनि	10/03/2028 00:28
राहु	04/04/2027 01:15	गुरु	05/09/2027 06:27	शनि	21/01/2028 06:03	बुध	18/03/2028 01:39

शुक्र - गुरु - शुक्र		शुक्र - गुरु - सूर्य		शुक्र - गुरु - चंद्र		शुक्र - गुरु - मंगल	
18/03/2028 01:39		27/08/2028 09:39		15/10/2028 02:27		04/01/2029 06:27	
27/08/2028 09:39		15/10/2028 02:27		04/01/2029 06:27		02/03/2029 02:03	
शुक्र	14/04/2028 02:59	सूर्य	29/08/2028 20:05	चंद्र	21/10/2028 20:47	मंगल	07/01/2029 13:59
सूर्य	22/04/2028 05:47	चंद्र	02/09/2028 21:29	मंगल	26/10/2028 14:25	राहु	16/01/2029 02:32
चंद्र	05/05/2028 18:27	मंगल	05/09/2028 17:40	राहु	07/11/2028 18:37	गुरु	23/01/2029 16:21
मंगल	15/05/2028 05:43	राहु	13/09/2028 00:59	गुरु	18/11/2028 14:21	शनि	01/02/2029 16:15
राहु	08/06/2028 14:07	गुरु	19/09/2028 12:50	शनि	01/12/2028 10:47	बुध	09/02/2029 17:25
गुरु	30/06/2028 05:35	शनि	27/09/2028 05:53	बुध	12/12/2028 22:45	केतु	13/02/2029 00:58
शनि	25/07/2028 22:27	बुध	04/10/2028 03:28	केतु	17/12/2028 16:23	शुक्र	22/02/2029 12:14
बुध	17/08/2028 22:23	केतु	06/10/2028 23:39	शुक्र	31/12/2028 05:03	सूर्य	25/02/2029 08:25
केतु	27/08/2028 09:39	शुक्र	15/10/2028 02:27	सूर्य	04/01/2029 06:27	चंद्र	02/03/2029 02:03

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थो को आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
02/10/2026 06:46:00 से 01/11/2026 12:38:54 तक

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी सम्पन्न हो सकता है। सन्तति से आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे।समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

साथ ही आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य द्रव्यों को भी अर्जित करेंगे।अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास
01/11/2026 12:38:54 से 01/12/2026 07:29:54 तक

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास
01/12/2026 07:29:54 से 30/12/2026 19:31:38 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता

स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास
30/12/2026 19:31:38 से 29/01/2027 06:35:41 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

पंचम् मास
29/01/2027 06:35:41 से 27/02/2027 22:47:48 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में

आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास
27/02/2027 22:47:48 से 30/03/2027 01:01:04 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
30/03/2027 01:01:04 से 29/04/2027 15:38:54 तक

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अष्टम् मास
29/04/2027 15:38:54 से 30/05/2027 17:46:53 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास
30/05/2027 17:46:53 से 01/07/2027 03:15:26 तक

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चिंतित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः

स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

दशम् मास
01/07/2027 03:15:26 से 01/08/2027 13:44:45 तक

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

एकादश मास
01/08/2027 13:44:45 से 01/09/2027 18:37:18 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल

रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास
01/09/2027 18:37:18 से 02/10/2027 12:56:29 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।